AI के साथ पढ़ाई

चर्चा में क्यों?

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित शैक्षिक कार्यक्रम "**पढ़ाई विद AI**" ने राजस्थान के **टोंक ज़िले के सरकारी स्कूलों** के शैक्षणिक परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया है।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:** इस कार्यक्रम को "**पढ़ाई विद AI**" कहा जाता है, जिसका अर्थ है "**AI के साथ अध्ययन**"।
  - यह पहल छात्रों की **स्वयं-गति से सीखने** के लिये डिज़ाइन किये गए एक समर्पित **वेब पोर्टल** के माध्यम से डिजिटल शिक्षा और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** को एकीकृत करती है।
  - वेब पोर्टल छात्रों को **पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों को हल करने**, **समान समस्याओं का अभ्यास करने** तथा **कमज़ोर क्षेत्रों को निपुण करने** में मदद करने के लिये **सुधारात्मक अभ्यास**, **ड्रिल अभ्यास** और **व्यक्तिगत शिक्षण** प्रदान करता है।
  - इसका उद्देश्य छात्रों को उन विषयों को **समझने** और उनका **अभ्यास करने** में मदद करना है, जो उन्हें कठिन लगते हैं तथा **गणित** पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाता है।
- **कार्यान्वयन रणनीति:**
  - **गणित में कमज़ोर प्रदर्शन** को दूर करने के लिये **टोंक कलेक्टर** द्वारा शुरू किया गया यह **AI-आधारित कार्यक्रम**, टोंक ज़िले के **351 स्कूलों** में लागू किया गया, जिसमें **2025 सत्र** को लक्षित करते हुए **कक्षा 10** के लिये **तीन महीने की कार्य योजना** तैयार की गई।
- **प्रभाव और परिणाम:**
  - **टोंक** का कुल **उत्तीर्ण प्रतिशत**, **राज्य औसत से अधिक** रहा, जो **AI-आधारित शिक्षण कार्यक्रम** की सफलता को दर्शाता है।

शिक्षा के लिये राजस्थान की अन्य डिजिटल पहल

- **AI-सक्षम मूल्यांकन:**
  - राजस्थान ने पारंपरिक परीक्षाओं से हटते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप **AI-संचालित, योग्यता-आधारित मूल्यांकन** की दिशा में कदम बढ़ाया है।
  - **ध्वनि पहचान** तकनीक का उपयोग करके 26 लाख से अधिक छात्रों के लिये **मौखिक पठन प्रवाह (ORF) परीक्षण** आयोजित किये गए।
  - कक्षा 9 से 12 तक के लिये **सामान्य मूल्यांकन परीक्षण (CET)** को **मानकीकृत** किया गया है।
- **बुनियादी ढाँचा एवं डिजिटल लर्निंग विस्तार:**
  - विद्यालयी बुनियादी ढाँचे में सुधार हेतु **225 करोड़ रुपए** आवंटित किये गए हैं।
  - **डिजिटल कक्षाओं**, **स्मार्ट बोर्डों** तथा **ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों** को प्रोत्साहित किया जाएगा।
  - **डिजिटल माध्यम** से **व्यावसायिक प्रशिक्षण** और **कैरियर परामर्श** का एकीकरण किया जाएगा।
- **कौशल विकास एवं कैरियर तैयारी:**
  - **विश्वकर्मा कौशल संस्थान** तथा **उन्नत कौशल एवं कैरियर परामर्श केंद्र** की शुरुआत की गई है।
  - **36 ITI** संस्थानों का **आधुनिकीकरण** किया गया तथा **नए पॉलिटेक्निक कॉलेजों** की स्थापना की गई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/padhai-with-ai